भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1232

जिसका उत्तर 29.07.2026 को दिया जाना है

हैदराबाद रीजनल रिंग रोड

1232 डा. के. लक्ष्मण:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतमाला परियोजना के पहले चरण के अंतर्गत हैदराबाद रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) के उत्तरी गलियारे की प्रगति की स्थिति क्या है, जिसमें अधिग्रहीत भूमि का प्रतिशत, निर्माण की गई सड़क की लंबाई और काम पूरा होने की नवीनतम समय-सीमा शामिल है;

(ख) दक्षिणी गलियारे के लिए संशोधित परियोजना लागत पर केंद्र सरकार की स्वीकृति की क्या स्थिति है और पर्यावरण व वन संबंधी स्वीकृति मिलने की समय-सीमा क्या है; और

(ग) पीपीपी मॉडल के तहत तेलंगाना के कितने राष्ट्रीय राजमार्ग खंड शामिल किए गए हैं और इन लेन-देनों से अनुमानित पूंजीगत प्राप्तियों का ब्यौरा क्या है तथा राज्य में नई सड़क परियोजनाओं में उसका पुनर्निवेश कैसे किया जाएगा?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) क्षेत्रीय रिंग रोड के उत्तरी भाग के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। तेलंगाना राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग (मूल) के अंतर्गत हाइब्रिड वार्षिकी मोड (एचएम) पर हैदराबाद शहर के 161.518 किमी लंबे 6-लेन उत्तरी क्षेत्रीय रिंग रोड के ₹23,935.6 करोड़ की कुल पूंजीगत लागत के साथ विकास के प्रस्ताव का मूल्यांकन सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति (पीपीपीएसी) द्वारा किया गया है। परियोजना में निवेश और कार्यान्वयन का निर्णय डीपीआर के परिणाम, संपर्कता की आवश्यकता, यातायात घनत्व और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ तालमेल के आधार पर लिया गया है।

क्षेत्रीय रिंग रोड के उत्तरी भाग के लिए, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 की धारा 3डी के तहत अधिग्रहित की जाने वाली 99.06% भूमि के लिए अधिसूचना प्रकाशित की जा चुकी है, और उक्त अधिनियम की धारा 3जी के तहत 87.19% भूमि के लिए आवंटन घोषित किया जा चुका है। परियोजना के कार्यान्वयन की समयसीमा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के तहत किए गए व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम के आधार पर निर्धारित की जाती है, जिसके पश्चात् सक्षम प्राधिकारी द्वारा परियोजना को मंजूरी दी जाती है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय रिंग रोड के दक्षिणी भाग के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को अभी अंतिम रूप दिया जाना शेष है।

(ग) पिछले तीन वर्षों में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत सौंपी गई/सौंपी जाने वाली परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन का तरीका	कुल लंबाई (किमी)	लागत (करोड़ रुपये में)	वर्तमान स्थिति	पूंजीगत प्राप्तियों का विवरण
वित्तीय वर्ष 2023-2024						
	शून्य					
वित्तीय वर्ष 2024-2025						
	शून्य					
वित्तीय वर्ष 2025-2026						
1	तेलंगाना राज्य में हैदराबाद-पणजी आर्थिक गलियारे पर गुडेबेलूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 का चार लेन मानक के अनुसार चौड़ीकरण।	एचएएम	80.01	3,175.08	सौंपी गई	यह परियोजना हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल (एचएम) पर आधारित है, जिसके अंतर्गत रियायत करार के प्रावधानों के अनुसार टोल वसूली का अधिकार प्राधिकरण के पास सुरक्षित है। खंड का वाणिज्यिक संचालन शुरू होने पर, टोल राजस्व प्राप्तियों को भारत की संचित निधि में जमा किया जाएगा।
2	**एनएच-63 का आर्मूर-जगतियाल खंड**	एचएएम	63.60	2471.76	सौंपी जानी है	
3	**एनएच-63 का जगतियाल- मंचेरियल खंड**	एचएएम	68.29	2730.72	सौंपी जानी है	
4	**एनएच-563 का जगतियाल-करीमनगर खंड**	बीओटी (टोल)	58.87	2394.68	सौंपी जानी है	यह परियोजना निर्माण-संचालन-हस्तांतरण (टोल) मोड पर आधारित है। परियोजना की व्यवहार्यता विश्लेषण के अनुसार, व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) प्रदान करना आवश्यक है; इसलिए, इस परियोजना से किसी भी प्रकार की पूंजीगत प्राप्ति की अपेक्षा नहीं है।
	कुल		**270.77**	**10,772.24**		

*****